[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

H

Sr. No. of Question Paper : 843

Unique Paper Code : 12275401

Name of the Paper : Indian Economy II

Name of the Course : **Elective (GE) for Hons. Courses (CBCS)**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer any **five** questions.
3. **All** questions carry equal marks, **15** marks each.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दें ।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रत्येक के लिए 15 अंक है।

P.T.O.

843

4. इस प्रश्न–पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Provide an overview of developments on the macroeconomic front in the Indian economy from a medium-term perspective. Discuss some prominent problem areas that need policy attention.

मध्यम अवधि के परिप्रेक्ष्य से भारतीय अर्थव्यवस्था में समष्टिगत आर्थिक मोर्चे पर विकास का सिंहावलोकन प्रस्तुत करें। कुछ प्रमुख समस्या क्षेत्रों पर चर्चा करें जिन पर नीतिगत ध्यान देने की आवश्यकता है।

2. Critically evaluate India's trade balance situation. How can Foreign Trade Policy, 2014 contribute to the better functioning of external sector.

भारत के व्यापार संतुलन की स्थिति का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। विदेश व्यापार नीति, 2014 वाह्य क्षेत्र के बेहतर निष्पादन में कैसे योगदान दे सकती है?

3. Sharing growth and equity in agriculture is important to improve livelihoods in rural areas. Discuss the statement in the context of policy imperatives needed in India to achieve this.

ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका में सुधार के लिए कृषि में विकास और समानता का साथ होना महत्वपूर्ण है। इसे प्राप्त करने के लिए भारत में आवश्यक नीतिगत अनिवार्यताओं के संदर्भ में इस कथन पर चर्चा करें।

4. Explain the new marketing and pricing reforms declared for agriculture in India. Also highlight many caveats that need to be addressed before implementing these reforms.

भारत में कृषि के लिए घोषित नए विपणन और मूल्य निर्धारण सुधारों की व्याख्या कीजिए। इन सुधारों को लागू करने के पूर्व कई आपत्तियों की भी चर्चा करें जिनपर विचार करने की आवश्यकता है।

5. "The argument that labour laws have hindered manufacturing growth is increasingly becoming irrelevant, as an overwhelming proportion of new employment in organised sector falls outside the purview of those laws" (J.J. Thomas). Explain.

"यह तर्क कि श्रम कानूनों ने विनिर्माण विकास को बाधित किया है, तेजी से अप्रासंगिक होता जा रहा है, क्योंकि संगठित क्षेत्र में नए रोजगार का एक बड़ा हिस्सा उन कानूनों के दायरे से बाहर है"। व्याख्या करें।

6. Discuss the major trends and features of growth of the manufacturing sector in post economic reform period. Why Indian manufacturing sector failed to boost labour intensive exports and faster industrial growth in India?

आर्थिक सुधार के बाद की अवधि में विनिर्माण क्षेत्र के विकास की प्रमुख प्रवृत्तियों और विशेषताओं की विवेचना करें। भारतीय विनिर्माण क्षेत्र भारत में श्रम प्रधान निर्यात और तीव्र औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने में क्यों विफल रहा?

7. Explain how the service sector of India has played an important role in enabling the improved economic performance during the post reform period. How Covid-19 pandemic has created the new opportunities and challenges for this sector?

व्याख्या करें कि भारत के सेवा क्षेत्र ने सुधार के बाद की अवधि के दौरान बेहतर आर्थिक प्रदर्शन को सक्षम करने में किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कैसे कोविड-19 महामारी ने इस क्षेत्र के लिए नए अवसर और चुनौतियां पैदा की हैं?

8. Write short notes on any two of the following :

(i) Climate Change and Agriculture

(ii) Challenges and Limitations faced by Indian Manufacturing sector

(iii) FDI in India

(iv) Three Agricultural Laws, 2020

(v) Role of IT-BPO Services in India's growth

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(i) जलवायु परिवर्तन और कृषि

(ii) भारतीय विनिर्माण क्षेत्र द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियाँ और सीमाएँ

(iii) भारत में एफडीआई

(iv) तीन कृषि कानून, 2020

(v) भारत के विकास में IT-BPO सेवाओं की भूमिका